This work is a digital copy of a play which was scripted and performed by Jana Natya Manch, Delhi. It is being made available on the internet via digital means to enable performance, translation, adaptation, or academic study.

Jana Natya Manch is placing this work in the public domain under the Creative Commons Attribution Non-Commercial Share Alike License 3.0.

Usage guidelines

The rights to the work rest with Jana Natya Manch. You may use it under the following conditions:

+ You will make non-commercial use of the work.
+ Maintain attribution of the work to Jana Natya Manch.
+ Sharing the work with others will be contingent upon all of the above conditions being agreed to by every subsequent user.

For further information visit www.jananatyamanch.org

Note: This PDF was prepared by exporting an earlier version of the file which used proprietary fonts. Due to some incompatibility some of the fonts have not converted properly. We believe you will be able to read the play nevertheless.

वीर जाग ज़रा

;जन नाट्य मंचऋ मई १९८४ऋ २० मिनटऋ ८ कलाकारऋ यह नाटक मई १९८४ तक के पंजाब के हालात के बारे में लिखा गया था।द्ध

पात्र विभाजन

१. पंजाब
२. उग्रवादी / आकाशवाणी
३. पुरातनवादी / आकाशवाणी
४. प्रधानमंत्री / आकाशवाणी
५. बेटा / आकाशवाणी
६. पुलिस / आकाशवाणी
७. सूत्रधार १
८. सूत्रधार २

*[*तहमद और कुर्ता पहने एक दाढ़ी वाला आदमी डरा हुआ भागता आता है।*]*

पंजाब : ओय बचाओ, बचाओ। ओय कोई बचाओ मैन्नूं। ओय मार छड्या मैन्नू।

*[*भागता हुआ जाता है। एक नंगी तलवार लिए, कंधे पर स्टेनगन लगाए, नीली पगड़ी बांधे खुली दाढ़ी वाला एक उग्रवादी भागता हुआ आता है।*]*

उग्रवादी : ओ मैं तैन्नू छड्डांगा नईं, मैं तैन्नू छड्डांगा नईं।

*[*भागता हुआ जाता है। धोती कुर्ता पहने, तिलक लगाए, हाथ में गदा लिए एक आदमी भागा आता है।*]*

तिलकधारी : बच के नहीं जा सकता दुष्ट, बच के नहीं जा सकता।

*[*भागता हुआ जाता है। पूरी बाहों का ब्लाउज़ और सफ़ेद साड़ी पहने, धूप का बड़ा चश्मा लगाये, एक डंडा जिसके ऊपर पंजा बंधा है लिए एक औरत भागी आती है।*]*

प्रधानमंत्री : जीने नहीं दूंगी तुझे, ज़िंदा नहीं छोडूंगी।

*[*भाग कर जाती है। निकर, टीशर्ट पहने धूप का चश्मा लगाए, एक आदमी खिलौना बंदूक लिए भागा आता है।*]*

बेटा : मम्मी, मम्मी, मैं भी मालूंगा, एक गोली ठां कल के मैं भी मालूंगा।

*[*भाग कर जाता है। पुलिस वाला आता है।*]*

पुलिस : हाल्ट, ठहर जाओ, वरना गोली चला दूंगा।

*[*भाग कर जाता है। दाढ़ी वाला आदमी फिर भागता हुआ आता है। ख़ून से लथपथ सफ़ेद चोगा पहने।*]*

पंजाब : आ.....ह! मार डाला, मार डाला रे।

*[*एक एक करके बाक़ी पांचों भी भागते आते हैं। अभिनय स्थल में गोल-गोल घूमते हैं। अचानक आदमी को घेर लेते हैं। एक-एक कर उस पर वार करके जाते हैं। आदमी अभिनय स्थल के बीच गिरता है। कुछ देर ख़ामोशी। फिर पांचों आते हैं।*]*

पांचों : यह आकाशवाणी है। अब आप समाचार सुनिए। पंजाब में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पांच हत्याओं, अनेक मुठभेड़ों और आगजनी के ताज़ा समाचार मिले हैं।

एक : मोगा में सवेरे ग्यारह बजे शहर के मुख्य बाज़ार में कुछ उग्रपंथियों ने रिक्शा में जा रहे एक परिवार पर गोली चला दी। एक व्यक्ति घटना स्थल पर ही मारा गया। दो महिलाओं को स्थानीय अस्पताल में दाख़िल कराया गया है जहां उनकी हालत गंभीर बतायी जाती है।

दो : अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के निकट हुए एक गोली कांड में दो आदमी हताहत हुए और चार राह चलते लोग घायल हो गए। बाज़ार में कल सवेरे सात बजे तक के लिए कर्फ़्यू लगा दिया गया है।

तीन : जालंधर ज़िले के एक गांव में हिंसा पर उतारू दो गुटों पर सी.आर.पी. को गोली चलानी पड़ी जिसमें एक व्यक्ति मारा गया और १४ व्यक्ति ज़ख़्मी हुए। इलाक़े में दो दिन के लिए पूर्ण निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

चार : लुधियाना में एक शिक्षा संस्थान में बम विस्फोट हुआ। एक छात्र मारा गया और कई घायल हो गए। संपत्ति को भी काफ़ी क्षति पहुंची है।

पांच : राज्यपाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रशासन स्थिति पर नियंत्रण रखने का हर संभव प्रयत्न कर रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हिंसा का यह दौर शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा।

पांचों : प्रधानमंत्री ने दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा[]

प्रधानमंत्री : हम यह बात कब से कह रहे हैं कि पंजाब की स्थिति को बिगाड़ने के लिए विपक्षी दल ज़िम्मेदार हैं।

[पांचों जाते हैं। घायल आदमी धीरे-धीरे उठता है।]

पंजाब : विपक्षी दल ज़िम्मेदार ने। जिनां मेरे उत्ते वार कीत्ता की ओहियो विपक्षी दल सी? जिनां मैन्नूं ज़ख़्मी कीत्ता की ओहियो विपक्षी दल सी? विपक्षी दल अज्ज इक ऐहो जी बिमारी बण गई है जिनां नू हर गल्ल दा ज़िम्मेदार ठहराया जा सकदा है। ओय लोक्को, पंजाब जल रया है[]

आवाज़ें : विपक्षी दल ज़िम्मेदार हैं।

पंजाब : सांप्रदायिकता वद्द रई है।

आवाज़ें : विपक्षी दल ज़िम्मेदार हैं।

पंजाब : बदअमनी फैल रई है।

आवाज़ें : विपक्षी दल ज़िम्मेदार हैं।

पंजाब : प्रांतवाद, भाषावाद, पृथकतावाद फल फूल रये नें।

आवाज़ें : विपक्षी दल ज़िम्मेदार हैं।

पंजाब : बेकारी, ग़रीबी, भुखमरी, भ्रष्टाचार वद्द रये नें, महंगायी आसमान्ना नू छू रयी है, फ़सलां ख़राब हो रइयां ने, किसान बरबाद हो रये नें।

आवाज़ें : विपक्षी दल, विपक्षी दल, विपक्षी दल ज़िम्मेदार हैं।

पंजाब : कमाल है लोक्को, साड्डी सरकार कैंदी है कि देश तरक्की कर रया है[]

आवाज़ें : माताजी की जय हो

पंजाब : देश मज़बूत हो रया है[]

आवाज़ें : माताजी की जय हो

पंजाब : राकेश शर्मा असमन्नां विच उड़ रया है

आवाज़ें : माताजी की जय हो

पंजाब : ऐवरेसट उत्ते तिरंगा लहरा रया है

आवाज़ें : माताजी की जय, माताजी की जय, माताजी की जय हो।

पंजाब : मज़ाक बनाया होया है। जनता नू बेवकूफ़ समझ दे ने ऐ लोक। आज मेरे सीने ते ज़ख़म ने, मेरे बदन दी इक्क-इक्क हड्डी टुट रयी है। इक्क इक्क नस्स दुःख रयी है, मेरे क़दम लड़खड़ा रये ने। मैं जानना हां कोन ने जिनां ने मेरे उत्ते हमला कित्ता है। लेक्कन साड्डी सरकार दे कोल हर चीज़ दा सिरफ़ एक्कोई जवाब है[]विपक्षी दल

आवाज़ें : ज़िम्मेदार हैं।

पंजाब : हैराण हां, तुसीं मैन्नूं अजे वी नईं पैच्छाणे? ओ मैं हां पंजाब। मैं हीओ पंजाब हां जिसदे नां दी कल तक सारे जहान विच धुम्म सी, जीदी धरती सोणा उगलदी सी, जिन्ने भगत सिंह वरगे वीरां नू पैदा कित्ता। जिन्ने लाला लाजपत राय नू जन्म दित्ता। मैं ओहियो पंजाब हां जिन्ने आज़ादी दी लड़ाई विच हज़ारां बलिदान दित्ते, जिन्ने ती वरे मुल्क नू अनाज दी कमी न होण दित्ती। ते अज्ज मेरी ऐ हालत है। मेरी धरती नू मेरेई औलाद दे ख़ून दे नाल सींच्या जा रया है, मेरी ज़मीन्च नफ़रत दे बीज बोये जा रये ने। मेरे बच्चे इक दूजे नू शक्की निगाह नाल वेखदे नें। ओ देक्खो, देक्खो, मेरे असमान्नां वल्ल देक्खो जित्थे खौफ़ दे काले बादल मंडरा रये ने, ओय देक्खो मेरे कर्फ़्यू ज़दा शहरां दा सन्नाटा, मेरे बेटे बेकार घुम्म रये ने। मेरी फ़सलां बरबाद हो रईयां ने, मेरे कारख़ानायां ते ताले वज्जे पये ने, मैं तुहान्नू दसनां कौन है ऐस दा ज़िम्मेदार[]

आवाज़ें : वि-प-क्षी दल।

पंजाब : ख़ामोश। मैं दसना, मैं तुहान्नू सच्ची गल दसना।

[पुलिस की सीटी बजती है। पुलिस वाला बंदूक़ लिए आता है।]

पुलिस : अबे ओ, क्या कर रहा है यहां? तुझे मालूम नहीं शहर में कर्फ़्यू लगा है?

पंजाब : तां चुक्को ऐ कर्फ़्यू, मैं आज़ाद होणा चान्नां हां।

पुलिस : बकवास बंद, वरना अभी हवालात में कर दूंगा।

[उग्रवादी आता है]

उग्रवादी : ओय, ओय, ओय, ओय, ओय। ठहर ज़रा। साड्डे शिकार नूं कित्थे लेजा रया है?

;पंजाब सेद्ध हां भई, तूं दस, की नां है तेरा?

पंजाब : पंजाब।

उग्रवादी : पंजाब। बड़ा अजीब नां है। ठैर ज़रा, चैक कर लेण दे। किदरे साड्डी हिट लिस्ट विच ते नईं है[]तत्ता, थत्था, दद्दा, धध्धा, नन्नां, हां[]पप्पा, प, प, प, पंजाब, पंजाब, भई तेरा नां ते हेगा साड्डी हिट लिस्ट विच। हुण ते तूं बच्च नईं सकदा। *;बंदूक़ से निशाना लगाता है, पुलिस वाले सेद्ध* ओय ठुल्ल्या, तूं पास्से हो जा, किते ऐंवेई मारा जायें।

[तिलकधारी आता है।]

तिलकधारी : ओ खालसे, एस तमन्चे नू थल्ले कर ले। पहले सान्नूं चैक करण दे आपणा बन्दा ते नईं हैगा। *;पंजाब को अच्छी तरह देखकरद्ध* साड्डा ते लगदा नईं। हां भई की नां है तेरा?

पंजाब : पंजाब।

तिलकधारी : पंजाब? की पंजाब? पंजाब की भई? पंजाब सिंह कि पंजाब कुमार?

पंजाब : पंजाब, सिर्फ़ पंजाब।

तिलकधारी : *;उग्रवादी सेद्ध* मैन्नू ते शैड्यूल कास्ट लगदा है। अपणे जेड़े ख़ास बन्दे ने ओन्नां दे नां दे पीछे इक्क दुम ज़रूरी

होंदी है। की समझया? कर लै, तू अपणा कम्म कर लै भई, ए बन्दा साड्डा नईं है।

[उग्रवादी बंदूक तानता है। प्रधानमंत्री आती है।]

प्रधानमंत्री : अरे, संत जी आप? संत जी, संत जी, मुझे आशीर्वाद दीजिए संत जी, धार्मिक लोगों की मैं बहुत इज़्ज़त करती हूं। फिर मेरा-आपका तो रिश्ता भी है। मैंने अपने छोटे लड़के की शादी, रब उसकी आत्मा को शांति दे, मैंने उसकी शादी सिक्ख घराने में की थी।

उग्रवादी : जिन्दी रैवें तूं बीब्बी, जीन्दी रै।

औरत : मेरा बड़ा बेटा भी आपको बहुत बड़ा संत मानता है। वह कहता है[

[निकरवाला बच्चा खड़ा होता है।]

बेटा : संत जी तो धाल्मिक नेता हैं, उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। वे बहुत आध्यात्मिक व्यक्ति हैं। मैं उनकी बहुत इज़्ज़त कलता हूं। थेंक्यू, नो मेनशन *;बैठता है।द्ध*

प्रधानमंत्री : *;उग्रवादी से।द्ध* संत जी, यह कौन है?

उग्रवादी : बीब्बी कोई शेदाई लगदा ऐ। पाग्गल है। ना हिंदू ना सिख लेक्कन साड्डी हिट लिस्ट विच एदा नां हेगा तो असां हुण एस दा कम्म तमाम करण लग्गे हां।

प्रधानमंत्री : कौन आदमी, संत जी? आप किस की बात कर रहे हैं? मुझे तो कोई भी नज़र नहीं आ रहा।

उग्रवादी : चंगा बीब्बी, चंगा, ना मैं कुछ कीत्ता। ते ना तूं कुछ वेक्खया चंगा, बहुत चंगा।

[पंजाब की तरफ़ बंदूक़ तानता है। प्रधानमंत्री तिलकधारी से बात करती है।]

प्रधानमंत्री : नमस्ते पंडित जी, आप कुछ जाने पहचाने से लग रहे हैं।

तिलकधारी : देवी जी, मैं तो आपका सेवक हूं, मेरा नाम है हिंदूराम पुरातनवादी।

प्रधानमंत्री : हां, हां, याद आया, याद आया। पिछले साल जम्मू के चुनाव के दौरान आप हमारे साथ थे। उस चुनाव में आप हमारी मदद न करते तो हम इतनी सीटें हरगिज़ ना ले पाते। मेरा छोटा बेटा, ईश्वर उसकी आत्मा को शांति दे, वह तो आपका नज़दीकी दोस्त था ना?

तिलकधारी : वह महान व्यक्ति थे, आदमी को ख़ूब पहचानते थे। मुझे उनसे बहुत श्र(ा है।

प्रधानमंत्री : उसने मुझे ना मालूम कितनी बार आपके बारे में बताया। मेरे गुरुजी भी आपकी बहुत तारीफ़ करते हैं।

[गोली चलती है पंजाब चीखकर गिरता है। उग्रवादी और पुलिस वाला हाथ मिलाते हैं। पांचों हँसते हुए जाते हैं।]

उग्रवादी : चल बीबी बै कै कुछ गल्ल बात कर लइये।

प्रधानमंत्री : चलिए संत जी, जो आपकी आज्ञा।

तिलकधारी : पहले आप।

[चारों जाते हैं। सूत्रधार १/२ आते हैं। पंजाब की लाश के पास जाकर बैठते हैं। फिर दर्शकों को संबोधित कर के गाते हैं।]

गाना : वीर जाग ज़रा, उठ देख ज़रा
तेरे द्वार इक जोगी आया है,
तेरे द्वार इक जोगी आया है
कहीं ऐसा ना हो तू सोता रहे
तेरे द्वार से जोगी चला जाए
जाने वाले लौट के आते नहीं
ऐसे जोगी फिर-फिर आते नहीं
वीर जाग ज़रा, उठ देख ज़रा

सूत्रधार १ : ऐ लाश मेरे खेत दी लाश है जेड़ा पाणी दी, खाद दी, बीज्जां दी कमी दे कारण सूख गया है। ऐ लाश मेरे रोज़गार दी लाश है जेड़ी फ़ैक्ट्रियां दे बंद दरवाज्यां दे सामने पई होयी है।

सूत्रधार २ : ऐ लाश मेरे मुस्तक़्बिल दी लाश है जो मेरे कालज दी डिगी होई इमारत दे थल्ले दब्बी पयी है। ऐ लाश मेरे प्यार, मेरी मोहब्बत, मेरे रिश्तयां दी लाश है जो धरम अते फ़िरके दी चक्की दे पाट्टां विच पिस गये ने।

सूत्रधार १ : ऐ पंजाब दी लाश है। ऐ मेरी लाश है। मैं पंजाब हां। मैं फेर जी सकदा हां जे मैन्नू फेर मेरे खेत्तां दी हरियाली लभ जाये, जे मैं फिर फ़ैक्ट्रियां दी मशीनां दे पहिए घुमा सकां। मैं फिर जी सकदा हां, मैं फेर आपणे पैरां ते खलो सकदा हां जे मैंनू फेर मेरा खोया होया अमन, मेरी मोहब्बत मेरा भाईचारा लभ जाये। मैं फेर तंदरुस्त, मैं फेर सेहतयाब हो सकदा हां।

सूत्रधार २ : मैंन्नू खेत सीच्चन लई पाणी चईदा[मैन्नू रोज़गार चाईदा।
मैन्नूं पढ़न लिखन दा माहोल चईदा
मैन्नू अमन चैन चईदा, मैनूं अपणे मित्रां दा,
भाईयां दा, पड़ोसियां दा साथ चईदा
ओय सुण लै हाकम सुण ले ओय, तू सुण लै मेरी फ़रियाद
मेड्डे खेत-बग़ीचे लुट गये, ओ मेरी फ़सल होयी बर्बाद
मेड्डे बच्चे भुक्खे मरदे, मेरियां भैनां करदियां बैन
तू मोढ़ लया मेरा गुज़रना, अते मोड़ लया मेरा चैन

[प्रधानमंत्री और पुलिसवाला आते हैं। पुलिसवाला सीटी बजाता है। डंडा चलाता है।]

प्रधानमंत्री : मेरी समझ में नहीं आता कि आख़िर आप लोग चाहते

क्या हैं। कभी एक बात कहते हैं, कभी दूसरी बात कहते हैं। पहले किसी एक राय पर ठहरिए तो सही, फिर हमारे पास आइए।

सूत्रधार १ : साड्डे खेत उजड़ रहे नें, साड्डी नौकरियां खोइयां जा रईयां ने

सूत्रधार २ : साड्डे मुस्तक़्बिल दा नास हो रया है, साड्डा सूबा बर्बाद हो रया है।

सूत्रधार १ : तू वादे कर के मुकर जांदी है

सूत्रधार २ : तू झूठे अल्ज़ाम लगांदी है

सूत्रधार १ : तू साड्डी अक्खां विच मिट्टी झोंकदी है

सूत्रधार २ : तू साड्डे सूबे नू बेच खा रयी है।

दोनों : गद्दी दी भुक्खी है तूं, ताक़त दी ग़ुलाम है तू।

[प्रधानमंत्री पुलिस को इशारा करती है। वह आता है]

सूत्रधार २ : तूणे आपणी खुदगर्ज़ी दी ख़ात्तर, सत्ता दी ख़ात्तर सान्नू बरबाद कर दित्ता।

सूत्रधार १ : तेरे पालतू पिल्लयां ते तेरे एजेन्टां ने साड्डी धरती नूं लहू नाल रंग दित्ता।

सूत्रधार २ : तू चली जा, चली जा एत्थों, तू सान्नू आपणे मुस्तक़्बिल दे फ़ैसला आप्पेई करण दें।

सूत्रधार १ : एड्डे बरस अप्पां प्यार मोहब्बत नाल, अमन चैन दे नाल कम्म करदे रहे आं, अस्सां आपणे मसले आप्ये ही सुलझा लवांगे।

सूत्रधार २ : जा तू बीब्बी जा, साड्डे मगरों लै।

[पुलिस, उग्रवादी और पुरातनवादी आते हैं]

प्रधानमंत्री : तुम लोग देश को बर्बाद करने पर तुले हो। देश के टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहते हो। दूसरों का हक़ मारना चाहते हो। मैं तुम्हारे मुज़ाहिरों, तुम्हारी नारेबाज़ियों से डरने वाली नहीं।

सूत्रधार १ : की कया? असां देश नू बर्बाद कर दें आ? असां टुकड़े कर दे आं देश दे? असां हक़ मारदें आ?

सूत्रधार २ : वैसे तूं की करदी ऐं? तू सीमेंट ला रई ऐं? रपूळ कर दी ऐं तू? कफ़्र्यू ला के रपूळ करदी है साड्डे फटे दामन नूं?

उग्रवादी : राज करेगा खालसा। पंथ आज़ाद ते सिक्ख आज़ाद। *;तलवार खींच कर उन पर झपटता हैद्ध* तू, तू ही है पंजाब दा दुश्मन बैरी है[पंथ दा। मैं तेरे टुकड़े कर दियांगा।

पुरातनवादी : भारत माता की जय। भारत हिंदू राष्ट्र है, ग़ैर हिंदुओ, भारत छोड़ो। यही है, धर्म का शत्रु, भारतीय सभ्यता का शत्रु। मैं तुझे देश से निकाल कर ही दम लूंगा दुष्ट।

[सूत्रधार १ उग्रवादी को, सूत्रधार २ पुरातनवादी को पकड़ते हैं। उनसे हाथापाई करके पीछे धकेलते हैं। दोनों एक जगह मिलते हैं।]

सूत्रधार १ : पागल है तू? देखदा नईं एत्थे असां सारे मिल के अपणे हक्कां लई लड़ रहे आं। होर तूं, बजाय इस ख़ून दी देवी नूं ख़त्म करण दे, तु साड्डे उत्ते ही हाथ चक दा ऐं। धरम दा बंदा बणदा है।

सूत्रधार २ : *;पुरातनवादी सेद्ध* तेन्नू शरम नई आउंदी? बड्डा धरम दा रच्छक बणदा है। बड्डा आया हिंदुओं दा ठेकेदार। तूं साड्डे पंजाबी मेहनतकश दे विच फूट्ट पाउंदा है? दफ़ा हो जा एत्थों।

प्रधानमंत्री : अगर आप लोगों ने हिंसा से काम लिया, क़ानून को अगर आपने अपने हाथ में लेने की कोशिश की तो हमें भी क़ानूनी क़दम उठाने पड़ेंगे।

उग्रवादी : तूं भी पंथ दा दुशमन है इनां दे नाल गया ऐ। तेरा नां भी मैं दर्ज कर लयांगा हिट लिस्ट विच।

पुरातनवादी : तू धब्बा है धर्म के नाम पर, कलंक है तू पूरी जाति पर, मैं तुझे पवित्रता की वेदी पर बली चढ़ाऊंगा।,

[उग्रवादी और पुरातनवादी झपटते हैं। पुलिस वाला बंदूक तानता है। प्रधानमंत्री डंडा उठाती है। सूत्रधार १/२ को घेरे में लेते हैं। उनके चारों तरफ़ घूमते हैं। सब पात्र फ़्रीज़ करते हैं। पंजाब धीरे-धीरे उठता है। दर्शकों से कहता है।]

पंजाब : मेरे वीरो, मेरे प्यारयो, देक्खया, देक्खया इनां मुल्क दे ठेक्केदारां नू, इन धरम दे रख्वालयां नूं, सान्झे हो के इनां नू बेनकाब करो, जे अग्गे आ के अज्ज इन दा मुक़ाबला ना कित्ता ते आन वालियां नसलां सान्नूं कदे वी माफ़ नई करनगियां। ओय असां पंजाबियां ने सांझे फ़सला वी उगाइयां, ते फ़ैक्टरियां दे चक्के वी घुमाए, असां हीरां वी नाल गाईयां ते भंगड़े वी नाल पाए।
ओय अज्ज सवाल हिन्दू दा नईं, सिक्ख दा नईं,
सवाल पंजाब दा वी नईं, हरयाणे दा वी नईं,
सवाल ऐ सारे देश दा, देश दे मुस्तक़्बिल दा[
ओ उट्ठो, जाग्गो, जाग्गो वीर जवान्नों।
ओ अक्खां खोल के आपणे दुशमन नू पैछाणों।
ओ जेड़े घोल रये ने ज़ैर, ओ नूं दे दे शह।
ऐन्नां वैरियां नू वेक्खो ते पैच्छाणों।

o